अवध में बाजे बधैया

श्रीराम जन्मोत्सव : अवध में बाजे बधैया ।

जनम लियो रघुरैया,
अवध में बाजे बधैया ॥

रूप चतुर्भुज प्रभु दिखलाये ।
मातु विनय सुन शिशु बनि आये ॥
कौशल्या के लाल रमैया,
अवध में बाजे...

एक सुत कैकेयी ने जाये ।
माता सुमित्रा ने दो सुत जाये ॥
प्रकटे हैं चारो भइया,
अवध में बाजे...

रत्न-आभूषण राजा लुटाते ।
गो-धन-अन्नदान करवाते ॥
वस्तु भी देते मिठइया,
अवध में बाजे...

ऋषि-मुनि-देव-देवियाँ आये ।
गौरा-शिव-भुशुंडि जी आये ॥
कान्त भी गाये बधैया,
अवध में बाजे...

दासानुदास श्रीकान्त दास जी महाराज ।
स्वर : आलोक जी ।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35431/title/avadh-me-baje-badhaiya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |